Amar Ujala Dehradun **Dated 8/11/2016** **Page 8**

कॉमन पीकॉक उत्तराखंड की राज्य तितली

उत्तराखंड तितली संरक्षण राज्य घोषित हुआ

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून।

देश की सबसे खूबसूरत तितलियों में शुमार मोर पंख की रंगत वाली कॉमन पीकॉक को उत्तराखंड की राज्य तितली घोषित किया गया है। इसकी घोषणा सोमवार को राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक में की गई। राज्य तितली की प्रतिस्पर्धा में यलो स्वैलो टेल और ब्लू इमपरर तितली कॉमन पीकॉक की निकटतम प्रतिद्वंदी रही हैं, लेकिन बोर्ड के सदस्यों ने कॉमन पीकॉक के नाम को हरी झंडी दे दी।

सोमवार को राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक सचिवालय में हुई थी। इस मौके पर मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि उत्तराखंड में तितलियों की पांच सौ से अधिक प्रजातियां हैं। ये उत्तराखंड के इको सिस्टम का अहम हिस्सा हैं। कहा कि उत्तराखंड के कई क्षेत्रों में तितली पार्क बनाए जाएंगे। प्रदेश को तितली संरक्षण राज्य बनाया जाएगा। तितली प्रेमी और सैलानी यहां विभिन्न प्रकार की तितलियों को देख सकेंगे। राज्य तितली कॉमन पीकॉक को प्रदेश में संरक्षित किया जाएगा।

उत्तराखंड में पांच सौ प्रजातिया हैं तितलियों की

अपर प्रमुख वन संरक्षक डा. धनंजय मोहन ने बताया कि कॉमन पीकॉक तितली टिमरू के पत्तों पर प्रजनन करती है। इसका लार्वा टिमरू के पत्ते खाता है। यह औषधीय महत्व का पौधा है। प्रदेश में यह एक हजार से दो हजार मीटर ऊंचाई तक मिलता है। कॉमन पीकॉक प्रदेश के लगभग हर हिस्से में पाई जाती है।

मार्च से अक्टूबर के बीच यह अधिक दिखाई पड़ती है। इसका जीवन चक्र 35 दिन का होता है। बैठक में राज्य वन्य जीव बोर्ड के सदस्य पीटर स्मेटी चेक ने कॉमन पीकॉक को राज्य तितली बनाए जाने की सबसे ज्यादा वकालत की। बता दें कि कर्नाटक में बर्ड विन और गोवा में ब्लू मरमन को राज्य तितली का दर्जा प्राप्त है।